जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 18 संख्याः 101 प्रभात जालोर, सोमवार 17 जुलाई, 2023 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बांग्लादेश के वन विभाग ने इंसान व टाइगर के बीच टकराव रोकने के लिए सुंदरबन के चारों ओर नायलॉन की नैट फैन्सिंग लगाने का निर्णय लिया है। मार्च 2022 में शुरु किए गए सुंदरबन्स टाइगर कंज़र्वेशन प्रोजैक्ट के तहत यह कदम उठाया जाएगा। सुंदरबन, जिसे बंगाल की खाड़ी का मुख भी कहते हैं, विश्व का एकमात्र मैनग्रोव क्षेत्र है जहां टाइगर भी रहते हैं। इंसानी हस्तक्षेप व प्राकृतिक कारणों से यह इकोसिस्टम निरंतर खराब हो रहा है। सुंदरबन के बड़े-बड़े जल क्षेत्र सूख रहे हैं, क्योंकि यहाँ तक पानी लाने वाली नदियों में तलछट जमा हो गई है। अब लोग आसानी से जंगल में अंदर चले जाते हैं और अपने मवेशी चराते हैं। वन अधिकारी अबु नासिर मोहसिन ने बताया कि, इंसान और टाइगर में सम्पर्क बढ़ने से टाइगर्स में संक्रमण होने का खतरा भी है, खासकर कुत्तों आदि से। हालिया वर्षों में टाइगर व इंसान के एक दूसरे के क्षेत्र में घुसने की घटनाएं बढ़ी हैं। वन विभाग के अनुसार गत 15 साल में 50 से भी ज्यादा बार टाइगर गांवों में घुसे हैं और ऐसे मामलों में दोनों पक्षों को जान-माल की हानि हुई है। मोहसिन कहते हैं कि, इंसान- टाइगर टकराव में 46 टाइगर तथा 300 लोग मारे जा चुके हैं। एक सर्वे के अनुसार, 2004 में यहां 440 टाइगर थे पर 2018 के सर्वे में मात्र 114 टाइगर ही मिले हैं। सुंदरबन का पश्चिमी भाग, जो भारत में है, में पहले ही नायलॉन की नैट फैन्सिंग लगाई जा चुकी है, जिससे टाइगर्स के गांवों में घुसने की घटनाओं में भारी कमी आई है। अब इसी तर्ज पर बांगलादेश में भी नायलॉन की नैट फैन्सिंग लगाई जाएगी।

जन्मदिन मनाने भागकर जोधपुर पहुँचा नाबालिग प्रेमी युगल, मदद का झांसा देकर लड़की से गैंगरेप

सड़क पर भटक रहे नाबालिग प्रेमी युगल को तीन युवक अपने साथ जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी ओल्ड कैम्पस ले गये और दोनों को बंधक बना लिया

जोधपुर, 16 जुलाई (कासं)। नाबालिग प्रेमी के जन्मदिन पर अजमेर से उसके साथ भागकर आई नाबालिग लड़की के साथ जोधपुर में गैंगरेप हो गया। प्रेमी जोड़ा शनिवार रात बस स्टैंड के पास होटल की तलाश कर रहा था। आइडेंटिटी कार्ड नहीं होने के कारण रूम नहीं मिला तो सड़क पर भटकने लगे। तीन युवकों ने मदद का झांसा देकर प्रेमी को बंधक बनाया और नाबालिग लड़की के साथ जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी के ओल्ड कैंपस में रात 2 बजे से सुबह 5 बजे तक गैंगरेप किया।

घटना की जानकारी पुलिस को सुबह 5.30 बजे के करीब मिली। जोधपुर पुलिस तुरंत एक्टिव हुई और सुबह 10 बजे तक सी.सी.टी.वी. की मदद से आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा गेस्ट हाउस पर काम करने वाले एक युवक को भी गिरफ्तार किया गया है।

डी.सी.पी. ईस्ट अमृता दुहन ने बताया कि, शनिवार रात 10.30 बजे नाबालिग प्रेमी जोड़ा अजमेर से बस से जोधपुर बस स्टैंड पहुंचा था। बस स्टैंड से लगते पावटा और महामंदिर इलाके में दोनों ने ठहरने के लिए होटल की तलाश करना शुरू किया।

रात 12.30 बजे महामंदिर इलाके में दोनों कृष्णा गेस्ट हाउस पहुंचे। वहां कर्मचारी सुरेश जाट ने दोनों से पहचान पत्र (आईडी) मांगा। दोनों के पास पहचान पत्र नहीं था। घर से भागकर आए थे इसलिए मोबाइल भी फ्लाइट मोड पर था। सुरेश ने दोनों को रूम देने से मना कर दिया और दुर्व्यवहार कर गेस्ट हाउस से बाहर निकाल दिया। इसके बाद दोनों महामंदिर से होते हुए पावटा इलाके में सड़क पर भटकने लगे। रात के लगभग 1 बजे थे। थक कर दोनों पावटा चौराहे पर सड़क किनारे बैठ गए।

पावटा चौराहे पर लड़के और लड़की को इस तरह बैठा देख वहां मौजूद समंदर सिंह निवासी बाड़मेर, भट्टम सिंह निवासी बाड़मेर और धर्मपाल सिंह निवासी ओसियां, जोधपुर उनके पास पहुंचे। वहां बैठे होने के बारे में पूछताछ की तो उन्हें शक हो गया कि, नाबालिग प्रेमी जोड़ा घर से भागकर आया है। लड़के ने बताया कि, वो अहमदाबाद अपने रिश्तेदार के पास जाना चाहता है। इस पर आरोपियों ने विश्वास में लेने के लिए कहा कि, बस से मत जाना, महंगा पड़ेगा। तुम्हें ट्रेन से जाना चाहिए। हम तुम्हारी मदद करेंगे। इसके बाद तीनों ने मददगार बनने का नाटक किया। प्रेमी जोड़े को खाना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **जोधपुर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुये तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।**
- **जोधपुर में होटल की तलाश में नाबालिग प्रेमी युगल सड़क पर भटक रहा था।**

ममता बनर्जी के बाद अब "आप" भी बैंगलुरु में विपक्ष की बैठक में शामिल होगी

कांग्रेस ने आप पार्टी के मुद्दों का संसद में समर्थन करने की घोषणा की तो आप पार्टी ने भी कांग्रेस के इस रुख का स्वागत किया और बैंगलुरु में विपक्ष की बैठक में शामिल होने की बात जाहिर की

नई दिल्ली, 16 जुलाई। बैंगुलुरु में शुरू होने जा रही विपक्षी दलों की बैठक से ठीक पहले कांग्रेस ने रविवार को बयान जारी कर साफ कर दिया कि वह दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश का संसद में समर्थन नहीं करेगी बल्कि संसद में आप पार्टी की मांग का समर्थन करेगी तथा इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठायेगी। कांग्रेस का कहना है कि, वह देश में संघवाद को ध्वस्त करने के केंद्र की सभी कोशिशों का विरोध करेगी। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के इस रुख का स्वागत किया है। कांग्रेस की इस बात ओर कांग्रेस ने बयान जारी कर कहा कि वह 17 से 18 जुलाई को बेंगलुरु में होने वाली विपक्ष की बैठक में शामिल होगी। कांग्रेस का बयान आने के बाद आम आदमी पार्टी ने राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक बुलाई। यह बैठक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई जिसमें राघव चड्ढा, गोपाल राय, आतिशी समेत पार्टी के कई कद्दावर नेताओं ने भाग लिया। इसी बैठक में फैसला लिया गया कि आम आदमी पार्टी बेंगलुरु में सोमवार से शुरू होने जा रही विपक्षी दलों की दो दिवसीय बैठक में भाग लेगी। ममता बनर्जी ने भी इस बैठक में शामिल होने की घोषणा कर दी है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राघव चड्ढा ने बैठक में लिए गए फैसले के बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा कि, बैठक में सभी पहलुओं पर चर्चा हुई। दिल्ली का ऑर्डिनेंस साफ तौर पर राष्ट्र विरोधी है। इसका समर्थन करने वाला हर शख्स राष्ट्रविरोधी है। हर वो शख्स जो देश के लोकतंत्र से प्यार करता है, वह इस काले अध्यादेश के खिलाफ अपना वोट देगा। राघव चड्ढा ने आगे कहा- अरविंद केजरीवाल ने इस मुद्दे पर हर विपक्षी दल से संपर्क किया था। सबने इस मुद्दे पर समर्थन की घोषणा की। आज कांग्रेस पार्टी ने भी दिल्ली के अध्यादेश के खिलाफ अपना स्टैंड क्लियर कर दिया और विरोध दर्ज करने की घोषणा की। हम कांग्रेस की घोषणा का स्वागत करते हैं। मैं कहना चाहूंगा कि 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हिस्सा लेगी। वहीं संयुक्त विपक्ष की बैठक से पहले बेंगलुरु पहुंचे कांग्रेस महासचिव-संगठन के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि पटना में हुई बैठक 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए समान विचारधारा वाली पार्टियों को एकजुट करने की शुरुआती बैठक थी। अब बेंगलुरू में होने जा रही बैठक पटना समिट की अगली कड़ी है। हम इस बैठक के जरिए 2024 के आम चुनावों को लेकर आगे बढ़ेंगे। इससे पहले कांग्रेस ने साफ कर दिया था कि वह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **बैंगुलुरु में शुरू होने जा रही विपक्षी दलों की बैठक से ठीक पहले कांग्रेस ने रविवार को बयान जारी कर साफ कर दिया कि, वह दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश का संसद में समर्थन नहीं करेगी, बल्कि संसद में आप पार्टी की मांग का समर्थन करेगी तथ इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठायेगी।**
- **कांग्रेस का कहना है कि, वह देश में संघवाद को ध्वस्त करने के केंद्र की सभी कोशिशों का विरोध करेगी।**

क्या आपको कम सुनाई देता है?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑडिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

अजीत पवार और एन.सी.पी. के आठ मंत्रियों ने शरद पवार से मुलाकात की

मुंबई, 16 जुलाई (वार्ता)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाले नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी. , अजीत पवार गुट) के नवनिर्वाचित मंत्रियों ने रविवार को यहां यशवंतराव चव्हाण केंद्र में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की और उनसे पार्टी को एकजुट रखने के तरीकों के बारे में सोचने का आग्रह किया। यह मुलाकात राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र की पूर्व संध्या पर हुई।

मुलाकात के बाद राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल ने बताया कि श्री अजीत पवार सहित सभी राकांपा मंत्रियों ने श्री शरद पवार से इस बारे में सोचने का अनुरोध किया है कि राकांपा कैसे एकजुट रहेगी। उन्होंने कहा, शरद पवार हमारे भगवान हैं। हमने आज उनका आशीर्वाद लेने के लिए यशवंतराव चव्हाण केंद्र में मुलाकात की , हम सभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अजीत पवार गुट ने एन.सी.पी. अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की और उनसे पार्टी को एकजुट रखने के तरीकों के बारे में सोचने का आग्रह किया।**

'विपक्षी दलों में कांग्रेस की सबसे मजबूत स्थिति है, नेता कौन होगा इसका निर्णय बाद में लिया जायेगा'

पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी. चिदम्बरम ने कहा कि, बैंगलुरु की बैठक उद्देश्यपूर्ण होगी

नई दिल्ली, 16 जुलाई। बैंगलुरु में विपक्षी दलों की अहम बैठक से पहले वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम का बयान सामने आया है। चिदंबरम ने कहा कि, विपक्षी दलों में कांग्रेस की एक मजबूत स्थिति है और हम सब मिलकर भाजपा को 2024 लोकसभा चुनाव में हराएंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि जिस तरह से "आप" ने विपक्षी दलों की पटना बैठक में दिल्ली अध्यादेश का मुद्दा उठाया और रखा वह "दुर्भाग्यपूर्ण" था। उन्होंने कहा, प्रत्येक मुद्दे का निर्णय उसकी योग्यता के आधार पर और उचित समय और स्थान पर किया जाना चाहिए।

चिदंबरम ने रविवार को विश्वास जताया कि विपक्ष एकजुट रहकर निश्चित रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दे सकता है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा विरोधी गुट का नेता कौन होगा ये उचित समय पर सामने आएगा, लेकिन अभी इसके बारे में बात करने की कोई जरूरत नहीं है। विपक्षी दलों के कई उद्देश्य एक समान हैं, क्योंकि वे भाजपा सरकार की सामाजिक और आर्थिक नीतियों का विरोध करते हैं, धीमी आर्थिक वृद्धि, उच्च मुद्रास्फीति और बढ़ती बेरोजगारी के साथ-साथ आम लोगों की स्वतंत्रता में कमी को लेकर चिंतित हैं। चिदंबरम ने कहा कि बेंगलुरु में होने वाली आगामी बैठक निश्चित रूप से उद्देश्यपूर्ण होगी और हमें इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए कि अगला कदम क्या होगा। यह पूछे जाने पर कि विपक्ष ने फिलहाल नेतृत्व के सवाल को नजरअंदाज कर दिया है और जब मोदी 10 साल से सत्ता पर हैं तो क्या बिना प्रधानमंत्री पद के चुनाव में जाना संभव होगा। इस पर चिदंबरम ने कहा कि नरेंद्र मोदी भाजपा के शीर्ष पर रहे हैं और 10 वर्षों में केंद्र सरकार ताकतवर नहीं बल्कि कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी के हाथ खाली हैं, क्योंकि उन्होंने अपने वादे पूरे नहीं किए हैं। चिदंबरम ने तंज कसते हुए कहा कि शायद नारों को छोड़कर पी.एम. ने कुछ नहीं दिया।

- **चिदंबरम ने रविवार को विश्वास जताया कि, विपक्ष एकजुट रहकर निश्चित रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दे सकता है।**
- **चिदम्बरम ने कहा कि, जब प्र.मंत्री मोदी 10 साल से सत्ता पर हैं तो क्या बिना प्रधानमंत्री पद के चुनाव में जाना संभव होगा। इस पर चिदंबरम ने कहा कि, नरेंद्र मोदी भाजपा के शीर्ष पर रहे हैं और 10 वर्षों में केंद्र सरकार ताकतवर नहीं बल्कि कमजोर हुई है।**

अडानी ग्रुप का पावर प्लांट बांग्लादेश में

ढाका/अहमदाबाद, 16 जुलाई (वार्ता)। भारत की अग्रणी अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने शनिवार को ने गोड्डा में अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट से बंगलादेश को बिजली आपूर्ति की पूर्ण लोड की शुरुआत करने के बाद बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से ढाका में मुलाकात की। झारखंड का गोड्डा यू.एस.सी.टी.पी.पी., जो कि अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत परियोजनाओं में अडाणी समूह के प्रवेश का प्रतीक है और देश की पहली चालू अन्तर्राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अडाणी ग्रुप के पावर प्लांट की बांग्लादेश में शुरुआत के बाद उद्योगपति गौतम अडानी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की।**

राहुल गांधी ने कहा, मेरा आठ साल का करियर बर्बाद हो जायेगा

'पुर्णेश मोदी की जिस याचिका के आधार पर उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है, वह न तो गंभीर है और न ही उसकी कोई नैतिक वैल्यू है, जिसके आधार पर इतनी कड़ी सजा दी जाए'

नई दिल्ली, 16 जुलाई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की।

अपील करते हुए राहुल गांधी ने लिखा है कि, अगर उन्हें सजा से राहत नहीं दी गई तो उनका आठ साल का करियर खत्म हो जाएगा। गौरतलब है कि, रिप्रजेंटेशन ऑफ पीपुल ऐक्ट के सेक्शन 8 (3) के तहत दो साल की सजा पाया व्यक्ति जेल में रहने तक चुनाव नहीं लड़ सकता। इतना ही नहीं, सजा पूरी करने के बाद भी वह छह साल तक चुनाव लड़ने से वंचित रहेगा।

शीर्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि, पुर्णेश मोदी की जिस याचिका के आधार पर उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है, वह न तो गंभीर है और न ही उसकी कोई नैतिक वैल्यू है, जिसके आधार पर इतनी कड़ी सजा दी जाए। समुदाय के खिलाफ। उन्होंने कहा है कि, इस बात को साबित करने के लिए कोई साक्ष्य भी नहीं है। पूर्व कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि, वह एक लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। अगर उन्हें सजा मिलती है और संसदीय सदस्यता छिन जाती है तो उनके क्षेत्र के लोग संसद में अपना प्रतिनिधित्व खो देंगे और उनकी आवाज उठाने वाला कोई नहीं होगा। अगर सजा पर रोक नहीं लगाई गई तो यह वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लोगों के साथ भी एक तरह से नाइंसाफी होगी।

राहुल गांधी ने अपनी याचिका में आगे कहा कि जिन शब्दों के लिए उन्हें सजा सुनाई गई है, वह एक राजनैतिक विपक्षी के लिए था, न कि किसी जाति या समुदाय के खिलाफ। उन्होंने कहा है कि, इस बात को साबित करने के लिए कोई साक्ष्य भी नहीं है।

राहुल गांधी ने एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड प्रसन्ना एस. के जरिये अपील दायर की। गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दायर 2019 के मामले में सूरत की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने 23 मार्च को राहुल गांधी को दोषी ठहराते हुए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। इस फैसले के बाद गांधी को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत संसद की सदस्यता से 24 मार्च, 2023 को अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

यदि दोषसिद्धि पर रोक लग जाती, तो इससे राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल होने का मार्ग प्रशस्त हो जाता। उच्च न्यायालय ने इस मामले में दोषसिद्धि पर रोक संबंधी राहुल गांधी की याचिका खारिज करते हुए सात जुलाई को कहा था कि राजनीति में शुचिता अब समय की मांग है।

- **राहुल गांधी ने अपनी याचिका में आगे कहा कि, जिन शब्दों के लिए उन्हें सजा सुनाई गई है, वह एक राजनैतिक विपक्षी के लिए था, न कि किसी जाति या समुदाय के खिलाफ। उन्होंने कहा है कि, इस बात को साबित करने के लिए कोई साक्ष्य भी नहीं है।**
- **पूर्व कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि, वे एक लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। अगर उन्हें सजा मिलती है और संसदीय सदस्यता छिन जाती है तो उनके क्षेत्र के लोग संसद में अपना प्रतिनिधित्व खो देंगे और उनकी आवाज उठाने वाला कोई नहीं होगा। अगर सजा पर रोक नहीं लगाई गई तो यह वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लोगों के साथ भी एक तरह से नाइंसाफी होगी।**

एन.डी.ए. के पुराने साथी फिर लौट आये

नई दिल्ली, 16 जुलाई (वार्ता)। ओपी राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एस.बी.एस.पी.) रविवार को भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में फिर से शामिल हो गयी।

समाजवादी पार्टी के सहयोगी रही एस.बी.एस.पी. का राजभर की यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के राजग में फिर से विलय हो गया। राजग में शामिल होने के बाद राजभर ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ओ.पी. राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एस.बी.एस.पी.) रविवार को भाजपा नीत एन.डी.ए. में फिर से शामिल हो गयी।**